



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 154]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 2001/चैत्र 9, 1923

No. 154]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 2001/CHAITRA 9, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 2001

सं. 35/2001-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 231 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 27/2001, दिनांक 5 मार्च, 2001 (सा. का. नि. 163(अ), दिनांक 5 मार्च, 2001) को अधिकांश करते हुए, ऐसे अधिकांश से पूर्व की गई अथवा नहीं की गई बातों को छोड़कर, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 71 के अंतर्गत आने वाले कच्चे मोती, प्राकृतिक अथवा कृत्रिम, अपरिष्कृत हीरों को और अन्य बिना सेट किए गये और बिना तरासे गये बहुमूल्य या कम मूल्य वाले रत्नों को जब उनका भारत में आयात किया जाए उक्त प्रथम अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमा शुल्क और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क, यदि कोई है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात् :—

(क) आयात :—

- निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.2 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक पुनःपूर्ति अनुज्ञप्ति,
- निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.37 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक पुनःपूर्ति अनुज्ञप्ति,
- निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.38 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक रत्न पुनःपूर्ति अनुज्ञप्ति,
- प्रक्रिया पुस्तिका के पैराग्राफ 8.74 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत पुनःपूर्ति अनुज्ञप्ति,
- निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.3 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक हीरक अग्रदाय अनुज्ञप्ति,
- निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.10 के अंतर्गत एवं अनुसार निर्गत एक प्रपुंज अनुज्ञप्ति, अथवा
- प्रक्रिया पुस्तिका के पैराग्राफ 8.26 घ के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 8.13 क के अनुसार और उसके अंतर्गत जारी पुनःपूर्ति अनुज्ञप्ति के अंतर्गत किया जाता है;

(ख) शर्त (क) की मद (v) में उल्लिखित हीरक अग्रदाय अनुज्ञप्ति के अंतर्गत आयातित अपरिष्कृत हीरों के मामले में, आयातक सीमा शुल्क उपायुक्त अथवा सीमा शुल्क सहायक आयुक्त, जैसा भी मामला हो, द्वारा यथा विनिर्दिष्ट राशि के लिए और ऐसे रूप में और ऐसी जमानत अथवा प्रतिभूति के साथ बंधपत्र निष्पादित करने के लिए बाध्य होगा—

- (i) प्रक्रिया पुस्तिका और निर्यात एवं आयात नीति में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया और विधि के अनुसार उक्त विज्ञप्ति के लिए यथानिर्धारित निर्यात दायित्व को पूरा करेगा और उसके संगत उपबंधों में निर्धारित शर्तों का अनुपालन करेगा;
- (ii) निर्यात दायित्व के किसी भाग को पूरा करने में विफल रहने पर उक्त अपरिष्कृत हीरों के मूल्य पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर राशि, यहां दी गई किसी छूट के बावजूद, मांग करने पर अदा करेगा, और निर्यात दायित्व पूरा न करने पर ऐसे शुल्क मुक्त आयातित अपरिष्कृत हीरों की निर्कांसी की तारीख से शुल्क भुगतान की तारीख तक उक्त शुल्क पर प्रति वर्ष 24% की दर से ब्याज लगाया जाएगा;
- (ग) शर्त (क) की मद (vi) में उल्लिखित प्रपुंज अनुज्ञप्ति के अंतर्गत आयातित अपरिष्कृत हीरों के मामले में, आयातक, सीमा शुल्क उपायुक्त अथवा सीमा शुल्क सहायक आयुक्त, जैसा भी मामला हो, द्वारा यथानिर्दिष्ट राशि अथवा रूप में और ऐसी जमानत अथवा प्रतिभूति के साथ बंधपत्र निष्पादित करेगा—
- (i) निर्यात और आयात नीति और प्रक्रिया पुस्तिका में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार और उनके संगत उपबंधों में निर्धारित शर्तों का अनुपालन करते हुए पुनः पूर्ति अनुज्ञप्ति/हीरक अग्रदाय अनुज्ञप्ति, शत-प्रतिशत निर्यातानुमुखी उपक्रम/निर्यात प्रसंस्करण जोन यूनिट/विशेष आर्थिक जोन यूनिट अथवा पुनः निर्यात करने वाले वैध धारकों को की गई आपूर्तियों के रूप में उक्त अपरिष्कृत हीरों के निपटान का लेखा-जोखा रखेगा;
- (ii) उक्त अपरिष्कृत हीरों, जिनका उसने सम्यक् रूप से लेखा जोखा नहीं रखा है, पर मांग करने पर उक्त अपरिष्कृत हीरों के आयात की तारीख से शुल्क के भुगतान की तारीख तक उक्त शुल्क पर प्रतिवर्ष 24% की दर से ब्याज का भुगतान करने के लिए बाध्य होगा।

स्पष्टीकरण I :—शर्त (ख) की मद (ii) के प्रयोजनों के लिए, पूरा न किए गए निर्यात दायित्व के कारण आयातित अपरिष्कृत हीरों के मूल्य का हिसाब पूरा न किए गए निर्यात दायित्व और कुल निर्यात दायित्व के बीच का अनुपात निकाल कर इस अधिसूचना के अंतर्गत विज्ञप्ति के आधार पर किए गए आयातों के कुल मूल्य से निकाला जाएगा।

स्पष्टीकरण II :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए—

- (i) “निर्यात एवं आयात नीति” का तात्पर्य भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 1(आर. ई.-99)/1997-2002, तारीख 31 मार्च, 2000 समयानुसार यथा संशोधित द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति 1997-2002 है।
- (ii) “प्रक्रिया पुस्तिका” का तात्पर्य भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना संख्या 1(आर. ई.-2000)/1997-2002, तारीख 31 मार्च, 2000 समयानुसार यथा संशोधित द्वारा प्रकाशित प्रक्रिया पुस्तिका, खण्ड I है।

[फा. सं. बी-5/1/2001-टी.आर.यू.]

राजेन्द्र सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 2001

No. 35/2001-Customs

G.S.R. 231(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 27/2001-Customs, dated the 5th March, 2001 (GSR 163(E), dated the 5th March, 2001) except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw pearls, natural or cultured, rough diamonds and other precious or semi-precious stones, unset and uncut, falling under Chapter 71 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India.

from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:-

(a) the Imports are made under a, -

- (i) Replenishment Licence issued under, and in accordance with, paragraph 8.2 of the Export and Import Policy;
- (ii) Replenishment Licence Issued under, and In accordance with, paragraph 8.37 of the Export and Import Policy;
- (iii) Gem Replenishment Licence Issued under, and in accordance with, paragraph 8.38 of the Export and Import Policy;
- (iv) Replenishment Licence issued under, and in accordance with, paragraph 8.74 of the Handbook of Procedures;
- (v) Diamond Imprest Licence Issued under, and In accordance with, paragraph 8.3 of the Export and Import Policy;
- (vi) Bulk Licence issued under, and in accordance with, paragraph 8.10 of the Export and Import Policy; or
- (vii) Replenishment Licence Issued under, and In accordance with, paragraph 8.13(a) of the Export and Import Policy, read with paragraph 8.26(d) of the Handbook of Procedures;

(b) in case of rough diamonds imported under the Diamond Imprest Licence referred to at Item (v) of condition (a), the Importer executes a bond in such form and for such sum and with such surety or security as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, binding himself-

- (i) to discharge the export obligation as fixed for the said licence in the manner and as per procedure specified in the Export and Import Policy and Handbook of Procedures, and to comply with the conditions stipulated in the relevant provisions thereof;
- (ii) to pay on demand, in case of failure to achieve any part of export obligation, an amount equal to the duty leviable on the value of the said rough diamonds but for the exemption contained herein which can be attributed to export obligation not fulfilled alongwith interest at the rate of 24% per annum on the said duty from the date of

clearance of such duty free imported rough diamonds till the date of payment of such duty;

(c) In case of rough diamonds imported under Bulk Licence referred to at Item (vi) of condition (a), the importer executes a bond in such form and for such sum and with such surety or security as may be specified by the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, binding himself-

(i) to account for disposal of said rough diamonds by way of supplies to holders of valid Replenishment Licence/ Diamond Imprest Licence, 100% Export Oriented Undertakings /Export Processing Zone units /Special Economic Zone units or re-export, in accordance with, and as per procedure specified in the Export and Import Policy and Handbook of Procedures, and to comply with the conditions stipulated in the relevant provisions thereof;

(ii) to pay on demand, the duty on the said rough diamonds as are not properly accounted for by him alongwith interest at the rate of 24% per annum on the said duty from the date of importation of the said rough diamonds till the date of payment of such duty.

Explanation I.- for the purposes of Item (ii) of condition (b), the value of imported rough diamonds attributed to export obligation not fulfilled shall be calculated from the total value of imports effected against the licence under this notification by applying the ratio between unfulfilled export obligation and total export obligation.

Explanation II.- For the purposes of this notification, -

- (i) "Export and Import Policy" means the Export and Import Policy, 1997-2002, notified by the Government of India in the Ministry of Commerce, vide notification No. 1(RE-99)/ 1997-2002 dated the 31st March, 2000, as amended from time to time.
- (ii) "Handbook of Procedures" means the Handbook of Procedures, Volume I, published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. 1(RE-2000)/ 1997-2002, dated the 31st March, 2000, as amended from time to time.